श्री सभापति : आप नंबर वन ही पूछिए ।

SHRI MATILAL SARKAR: Sir, I am just exposing the problems arising out of lack of morning flight. The problems are: the patients cannot get admitted in Kolkata on the same day because they come only at night. The second problem is that national newspapers cannot reach the readers of Tripura the same day because the flight goes after evening. The passengers booked for train journey cannot avail connecting trains. So, why are the people destined to face such awkward situations? What steps is the hon. Minister going to take for redressing their problems?

SHRI RAJIV PRATAP RUDI: Sir, it is a fact that there are no morning services on a regular basis to Agartala, and, this is being done because there is some work going on as far as the runway is concerned which requires rescheduling. But I can assure the Member that we will consider rescheduling from the summer schedule for introducing a flight in the morning hours also.

श्री सभापति : ठीक है, मिल गया आपको अच्छा जवाब ।

SHRI MATILAL SARKAR: Sir, my second supplementary is *....(Interruptions)*

श्री सभापति : नहीं, अब सैंकेड सप्लीमेंट्री मत कीजिए नहीं तो जो आपको आश्वासन दिया है वह वापस ले लेंगे।

SHRI MATILAL SARKAR: Sir, at present, the flights are also not regular. Time schedule is not maintained. We cannot come to Delhi on the same day. Flights are delayed everyday.

MR. CHAIRMAN: Okay. Next question.

*115. [The questioner (Shri Ramachandra Khuntia) was absent. For answer *vide* page 47-48 infra.]

*116. [The questioner (Shri V. Narayanasamy) was absent. For answer *vide* page 48 infra.]

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में गैस की खोज

*117. **श्री कृपाल परमार :** क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि **:**

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी हैं कि हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के ज्वालामुखी में ज्वलनशील गैस की खोज का कार्य विगत अनेक वर्षो से चल रहा है और हाल ही मे अत्यधिक गैस होने के संकेत मिले हैं जिससे स्थानीय नागरिकों में भय पैदा हो रहा है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार ने जनता के भय को दूर करने के लिए कोई प्रयास किए है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है, और

(घ) उक्त स्थान पर गैस का व्यावसायिक उत्पादन कब तक शुरू हो जाने की संभावना है?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री राम नाईक) : (क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (घ) आयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड (ओ एन जी सी) अपनी स्थापना के बाद से भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और वेधन के माध्यम से ज्वालामुखी क्षेत्र सहित हिमाचल प्रदेश राज्य में हाइड्रोकार्बनों का अन्वेषण करती रही हैं। 1.10.2003 की स्थिति के अनुसार ओ एन जी सी ने हिमाचल प्रदेश में कुल 3,783 ग्राउंड लाइन किलोमीटर (जी एल के) द्विआयामी भूंकपीय सर्वेक्षण किया है। राज्य में ग्यारह अन्वेषणात्मक कूपों का वेधन किया गया जिनमें से ज्वालामुखी संरचना में पांच कूपों अर्थात् जे एम आई-1, जे एम आई-2, जे एम आई-3, जे एम आई-6 और जे एम आई-बी का वेधन किया गया। बाल्ह संरचना में एक कूप बाल्ह -1 का वेधन किया गया। जे एम आई-1 और बाल्ह -1 कूपों में कुछ गैस की उपस्थिति का पता लगा और जे एम आई-6 में गैस के संकेत थे। सभी अन्य कूपों मे हाइड्रोकार्बन नहीं थे। पिछले वर्ष 10.7.2002. को पहले वेधित किए गए जे एम आई-बी के बारे में यह सूचित किया गया कि यह सक्रिया हो गया और इसमें से थोड़ी सी गैस और पानी का रिसाव होते रहा है। रिसाव की सूचना मिलने पर ओ एन जी सी के वरिष्ठ अधिकारियो ने सुरक्षा कर्मचारियों के साथ वेधन-स्थल का दौरा किया । उन्होनें स्थानीय प्राधिकारियों और स्थानीय जनता के साथ चर्चा की उन्हें स्थिति के बारे में सूचित किया और यह स्पष्ट किया कि डरने की कोई आवश्यकता नही है क्योंकि कूप की स्थिति तुरन्त ही नियंत्रित कर ली जाएगी और पर्यावरणीय प्रदूषण, यदि कोई हो, को न्यूनतम करने के लिए हर संम्भव प्रयास किया जाएगा | इसके बाद ओ एन जी सी अधिकारियों ने कूप को ढ़कने के लिए उपाय किए और वर्तमान में वहां कोई कार्रवाई नहीं कीजा रही है। बहरहाल इस कूप को निरीक्षण के अधीन रखा गया है और इस क्षेत्र की "चौबीसों घंटे सुरक्षा" के साथ घेराबंदी की गई है।

वर्तमान में ओ एन जी सी हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा –मंडी क्षेत्र, जो नामांकन आधार पर प्रदान किया गया है और नई अन्वेष लाइसेंसिग नीति (एन ई एल पी) के तीसरे दौर के तहत प्रदान किए गए एफ एफ-ओ एन एन -2001/1 ब्लाक में अन्वेषण कर रही है। गैस के उत्पादन की व्यवहार्यता का निर्धारण क्षेत्र में गैस भंडारों की खोज और उसकी वाणिज्यिक मात्रा के आकलन के बाद ही किया जा सकता है।

Exploration of gas in Kangra district of H.R

†*117. SHRI KRIPAL PARMAR: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that exploration work for inflammable gas in the volcano of Kangra District of Himachal Pradesh is going on for the last few years and some signs of gas in abundance have been noticed recently which is creating fear amongst local residents;

(b) if so, the details thereof;

(c) if not, whether Government have made any efforts to allay fear from the minds of public, if so, the details thereof; and

(d) by when the commercial production of the gas at the said place is likely to begin?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (d) Since its inception, Oil and Natural Gas Corporation Ltd. (ONGC) has been carrying out exploration for hydrocarbons in the State of Himachal Pradesh, including Jwalamukhi area, through geo-scientific survey and drilling. As on 1.10.2003, a total of 3,783 Ground Line Kilometers (GLK) of 2-D seismic survey has been carried out by ONGC in Himachal Pradesh. Eleven exploratory wells were drilled in the State, of which five wells, *viz.* JMI-1, JMI-2, JMI-3 JMI-6 and JMI-B, were drilled in Jwalamukhi structure. One well Balh-1 was drilled in Balh structure. The wells, JMI-1 and Balh-1 showed presence of minor gas and JMI-6 had gas indication. All other wells are devoid of hydrocarbons. Last year, on 10.7.2002, one of the wells, JMI-B, drilled earlier, was reported to have become active leaking minor gas and water. On receipt of information of the leakage, senior officials from ONGC along with safety officials visited the drill-site. They interacted with the local authorities and local public, apprised them about the situation and made it clear that there was no need for any panic because the well activity would soon be controlled and all efforts would be taken to minimise environmental

†Original notice of the question was received in Hindi.

pollution, if any. ONGC officials thereafter took measures to cap the well and currently there is no activity. Nevertheless, the well has been kept under observation and the area continues to be cordoned off with 'round the clock' security.

At present, ONGC is carrying out exploration in Kangra-Mandi area awarded on nomination basis and in HF-ONN-2001/1 block awarded under the third round of New Exploration Licensing Policy (NELP) in Himachal Pradesh. The feasibility of production of gas can only be assessed after a discovery and establishment of commercial quantity of gas reserves in the area.

श्री कृपाल परमार : सभापति जी, आपके माध्यम से मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जिस JMI-B के बारे में मंत्री जी ने उत्तर दिया है, इसकी खुदाई आज से लगभग दो दशक पूर्व हुई थी। उसमे पूर्ण गैस के तत्व न मिलने के कारण उसे बंद कर दिया गया था। जुलाई ,2002 मे वह नलकूप विस्फोट के साथ खुल गया । ONGC वालों ने उसको फिर से बंद कर दिया है । मैं माननीय मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं कि ज्वालामुखी वह स्थान है जहां ज्वालामुखी के मंदिर मे पिछले हजारों सालों से जमीन से निकलने वाली गैस के कारण ज्योती जलती है । मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या वे कोई ऐसा प्रबन्ध करेंगे कि नई टेक्नीक के साथ वहां पर और गहरी खुदाई की जाए ताकि वहां पर गैस निकले।

श्री राम नाईक : सभापति जी, यह बात सही है कि ज्वालामुखी इतने साल से ज्वाला दे रही है। अब तक हिमालचल प्रदेश में हमने 11 स्थानों पर ड्रिलिंग की और वेल्स बनाए हैं, लेकिन गैस थोड़ी मिली है। कर्मशियल ढंग से जितनी गैस चाहिए उतनी नहीं मिल रही है। हम यह हार नहीं मानेंगे क्योंकि कभी-कभी ऐसा होता है कि बहुत प्रयास करने के बाद गैस मिल जाती है इसीलिए दो क्षेत्रों में यह एक्सप्लोरेशन का काम चल रहा है और ONGC उस काम को सफलतापूर्वक पूरा करेगी । ऐसा मुझे लगता है।

तेल कंपनियों द्वारा निवेश

*118. **श्री राम जेठमलानी** :††
श्री लाजपत राय :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र की अनेक तेल कंपनियां देश में तथा विदेश में अन्य उद्योगों में पूंजी निवेश कर रही हैं;,

†† यह प्रश्न सभा में श्री राम जेठमलानी द्वारा पूछा गया।